	Hkkjrd 'kkL= ,o Ñf"k ekSle foKku foHkkx tokgjyky ug: Ñf"k fo'ofo|ky;] tcyiqj df"k ekSle lykg lsok,¡ **(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)**	
सलाहकार समिति के सदस्यः डॅा. पी. के. विसेन, डी. ई. एस., मृदा एवं जल अभियॉत्रिकी विभाग – डॅा. एम. के. हरदा, सस्य विज्ञान (कें व्ही. के) – डॅा. के. के. अग्रवाल, डॅा. ए. के. नायडू, फल विज्ञान –डॅा. एस. के. पांडे, कीट विज्ञान – डॅा. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॅा. आलोक वाशनिकर, कृषि मौसम विज्ञान – डॅा. मनीष भान, पशु विज्ञान – श्री प्रमोद शर्मा		

o"k&2017	vad&69	fnukad 13 ls 17 flrcj 2017	fnukad% 12-09-2017

¼ftyk tcyiqj dk fy, tokgjyky ug: Ñf"k fo'ofo|ky; tcyiqj ,o ekSle dsUnz Hkksiky }kjk lap;Dr :i ls tkjh½

vkxkeh ikp fnuk dk ekSle iokZuekuk%&

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित मध्यम अवधी मौसम पूर्वानुमान केन्द्र को भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी दिनों में आसमान में घने बदल रहने की सम्भावना है तथा लगभग 58.0 मिमी. वर्षा होने की संभावना है। हवा 2.0 से 7.0 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33.0–34.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23.0 – 24.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

EkkSle rRo @fnukad	13/09/2017	14/09/2017	15/09/2017	16/09/2017	17/09/2017
Okf"kk ¼fe-eh-½	15	12	13	10	8
vf/kdre rkieku ¼fM-l s-½	34	34	33	33	33
U;wure rkieku ¼fM-l s-½	24	24	23	23	23
Ckkny dh fLFkfr	घने	घने	घने	घने	घने
vkisf{kr vknzrk ¼%½ lqcg½	90	87	85	82	81
vkisf{kr vknzrk ¼%½ 'kke½	70	68	65	61	60
gok dh xfr ¼fd-eh-@?k.Vk½	5	7	3	2	3
gok dh fn'kk	दक्षिण	दक्षिण	दक्षिण	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम

ekSle vk/kkfjr lkIrkfgd df"k ijke'kZ fnukad 13 ls 17 flrcj 2017

lkekU; lykg	• आगामी दिनों में जबलपुर के आसपास हल्की वर्षा होने की संभावना है । • दलहनी एवं तिलहनी फसलों में कीटों का प्रबंधन करें।
lks;kchu	• सोयाबीन मूँग एवं उड़द में सफेद मक्खी के नियंत्रण हेतु इमिडाक्लोरप्रिड 17.8 एस. एल. , 200 एम. एल. प्रति हेक्टेयर की दवा का छिड़काव करें । • दलहनी एवं तिलहनी फसलों का लगातार निरीक्षण करते रहें तथा कीट प्रकोप होने पर उचित पौध संरक्षण उपाय अपनायें। • फसल में सफेद मक्खी एवं अन्य कीटों के बचाव हेतु दवा का छिड़काव करें। दवा की सलाह हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क करें।
/kku	• धान की खड़ी फसल में आवश्यकतानुसार यूरिया द्वारा शेष नत्रजन की पूर्ति करें। यूरिया का छिड़काव खेत में नमी होने पर करें। • धान की फसल में पर्याप्त नमी बनाये रखें। • कीटों एवं रोगों की निगरानी हेतु फसल का सतता निरीक्षण करते रहें एवं इनका प्रकोप होने पर नजदीकी कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क करे। • धान की खड़ी फसल में झुलसा रोग के लक्षण दिखाई देने पर ट्राइसाइक्लाजोल 1 ग्राम या कार्बन्डाजिम 2 ग्राम या मेनकोजिम 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें।
vkjgj	• फसल में आवश्यकतानुसार नीदा नियंत्रण अपनाये और फसल को कीटों से बचाव करें।
ewax mMn ,oa fry	• पत्ती धब्बा रोग से बचाव हेतु निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिको की सलाह लें।
Qynkj o{k	• फलदार पौधे में कीट एवं बीमारी प्रबंधन करें । • वृक्षों के आस पास नींदा नियंत्रण करें । • वृक्षों में कीड़ो एवं रोगों से बचाव हेतु निकटपत कृषि विज्ञान केन्द्र के वस्तु विशेषज्ञ से संपर्क करें । दवा का समुचित मात्रा में उपयोग विशेषज्ञ की देख रेख में करें।
lfCt;k	• भिन्डी मिर्च टमाटर वैगन में इस समय रस चूसक कीट की सम्भावना हो सकती है । अतः दिखाई देने पर इसके नियंत्रण हेतु डाइमिथोएट 750 एम.एल दवा प्रति हेक्टेयर 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर 10–10 दिन के अन्तराल पर मौसम साफ होने पर छिड़काव करें। • खेतों में जल निकासी करें एवं खरपतवारों को नियंत्रित करें । • फूलगोभी की मध्यकालीन किस्मों की नर्सरी तैयार करें।
Ik'kq ,oa eqxhZ ikyu	• बारिश के मौसम में मुर्गियों में बीमारियॉ होती है, जैसे कॉक्सी, एण्टराएटिस, माइकोटाक्सिकोसिस से बचाव क लिए बुरादे का उचित रखरखाव करें एवं इलाज मुर्गी विशेषज्ञ की सलाह से करें । • मुर्गियों में वारिश के मौसम में होने वाली बीमारियों की रोकथाम हेतु टीकाकरण करें

	• हरें चारे की अधिकता होने पर 'हे' और साइलेज बनायें।

नोडल आफीसर
0761–2681719

दिनांकः 12 सितम्बर 2017